

8 ²/₁₉

✓
द्वार संघ का कार्य स्थगन प्रस्ताव/हड़ताल के कारण अभिभावकगत उपस्थित नहीं। पीठासीन अधिकारी अन्य कार्यों में व्यस्त हैं पत्रावली दिनांक.....को पेश हो 20.2.19

20.2.19

नाडी अति. उप-1 उत्तराधी अ. 0927 CPC केरा डीका। नाडी अति. नं. No. 0530 फील्ड (किमा) अ. 42 लीकल दर रिपोर्ट कादेश अफात किमा वाताही भोगेश मोरड के नकारतगना केरा किमा, अज्ञाती प्रती पर अवार पेश करके हेतु पावेंड किमा। पत्रावली वातने अवार द्वारा दिनांक 25.2.19 को पेश हो।

25.2.19

अन्य पत्र उप-1 उत्तराधी अ. 1 के अतिमात्र के अवार हेतु लकल माहा किंतु पिपली पेरी पर पावेंड करके पर ली अवार अज्ञाती किमा ही अवार देही कन्द ही वाती ही पत्रावली वातने नदर अतिरि दिनांक 1.3.2019 को पेश हो।

1.3.19

अभिभावकगत उपस्थित। पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है। अन्य कार्य/वृत्त में व्यस्त है। कार्यवाही दिनांक..... को पेश हो। 15.3.19

15.3.19

अज्ञाती अतिमात्र उप-1 कदर लुनी गरी, पत्रा वातने किमि दिनांक 25.3.2019 को पेश हो।

25.3.2019

पत्रावली वातने किमि पेश हो, जमीला अति उप-1 जमीला का अ. 42 लीकल किमा वाताही विस्तृत किमि कसा का सिवरक अज्ञाती गमा शामिल रहे। T. D. R. Ham का पुनारिक किमि पालनार्थ लिमा वाती पत्रावली के लता अज्ञात होकर कार्रवाई कइतर भी वाती।

एवं उपबन्धाधिकारी
हनुमानगढ़

न्यायालय उपखण्डाधिकारी (राजस्व) हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी:—कपिल कुमार, यादव, आर.ए.एस.

विविध राजस्व संख्या:—320/2016

श्रीमति हरप्यारी बलवदा धर्मपत्नि श्री रघुवीर सिंह, जाति जाट, निवासी वार्ड नम्बर-2, चिड़ावा रोड़, सूरजगढ़, तहसील सूरजगढ़, जिला झुझनू (राज0)।

—प्रार्थीया—

बनाम

1. बलजीत कौर धर्मपत्नि श्री नक्षत्र सिंह, जाति जटसिख, निवासी डबलीबास फतेहमोहम्मद (मलकोका) तहसील व जिला हनुमानगढ़।
2. तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़—

—अप्रार्थीगण—

प्रार्थना—पत्र अन्तर्गत धारा 251—ए (1)
(बी) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम



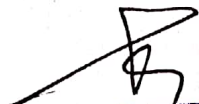
उपस्थित

1. श्री लालचन्द वर्मा—अधिवक्ता—प्रार्थीया


आदेश

दिनांक:—25.3.2019

प्रार्थना—पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थीया की खातेदारी कृषि भूमि चक 10 जे.डी.डब्ल्यू. पटवार क्षेत्र डबलीबास पेमा तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या 44/48 तादादी 19.380 हैक्टेयर में 0.253 हैक्टेयर है तथा इसी खाता में अप्रार्थीया संख्या 1 की 0.506 हैक्टेयर भूमि है। प्रार्थना—पत्र के अनुसार इस खाता में अप्रार्थीया संख्या—1 के कब्जा काश्त में पत्थर नम्बर 67/241 (27) के किला नम्बर 1


सहायक कलेक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

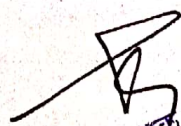
व 10 है तथा प्रार्थीया के कब्जा काशत में पत्थर नम्बर 67/241 (27) के किला नम्बर 2 है। प्रार्थीया ने यह कथन किया है कि पत्थर नम्बर-67/241 (27) का किला नम्बर 2 पूर्व में खातेदार श्री लखविन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरदिता सिंह के कब्जा काशत में था तथा उसे रास्ता की सुविधा नहीं होने से उसने अप्रार्थीया संख्या-1 के कब्जा काशत की भूमि पत्थर नम्बर 67/241 (27) के किला नम्बर 1 में उतरी दिशा में पूर्व से पश्चिम 1 बिस्वा अर्थात् 8¼ फीट चौड़ाई की भूमि रास्ता के प्रयोजन हेतु ली तथा इसकी एवज में लखविन्द्र सिंह ने अपने कब्जा काशत के किला नम्बर 2 में पश्चिमी सिरे पर किला नम्बर 1 के चिपते उतर से दक्षिण 1 बिस्वा अर्थात् 8¼ फीट चौड़ाई की भूमि अप्रार्थीया संख्या 1 को दी हुई थी तथा इस सम्बन्ध में अप्रार्थीया संख्या 1 व लखविन्द्र सिंह के मध्य तबादलानामा की लिखत भी दिनांक 02.06.2015 को हो चुकी थी। लखविन्द्र सिंह ने अपनी उक्त भूमि श्री श्योपतराम पुत्र श्री लूणाराम को विक्रय कर दी तथा श्योपतराम से प्रार्थीया ने यह भूमि जरिये रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र दिनांक 30.05.2016 खरीद की है तथा राजस्व अभिलेख में प्रार्थीया के नाम खातेदारी दर्ज हो चुकी है। अप्रार्थीया संख्या 1 व श्री लखविन्द्र सिंह के मध्य उक्त रास्ता की सुविधा को प्रदत्त करते हुये हुई लिखित अनुसार किला नम्बर 1 के उतरी सिरे पर रास्ता चालू व विद्यमान है तथा इस रास्ता का उपयोग श्री लखविन्द्र सिंह के क्रेता श्योपतराम द्वारा किया जाता रहा व अब श्योपतराम से यह भूमि प्रार्थीया द्वारा क्रय किये जाने के बाद इस रास्ता का प्रार्थीया उपयोग व उपभोग करती आ रही है तथा इस रास्ता की एवज में किला नम्बर 2 के पश्चिमी सिरे 1 बिस्वा भूमि अप्रार्थीया संख्या 1 को काशत हेतु दी हुई है। प्रार्थीया श्री लखविन्द्र सिंह व अप्रार्थीया संख्या 1 के मध्य हुई लिखत को स्वीकार करती है। प्रार्थीया ने यह स्थिति भी स्पष्ट की है कि प्रार्थीया एवं अप्रार्थीया संख्या 1 के कब्जा काशत की भूमि यद्यपि संयुक्त खाता में है लेकिन इस संयुक्त खाता में पत्थर नम्बर 67/241 (27) के किला नम्बर 1-2-10-11 इस संयुक्त खाता की भूमि से काफी दूर है व इस भूमि को पत्थर लाईन 66 पर मंजूरशुदा रास्ता उतर से दक्षिण से ही रास्ता की सुविधा प्राप्त हो रही है तथा इस कारण प्रार्थीया के कब्जा काशत की भूमि किला


 सहायक कलेक्टर
 एवं उपखण्डाधिकारी
 हनुमानगढ़

नम्बर 2 के लिये किला नम्बर 1 में उतरी सिरे पर रास्ता स्वीकार किया जाना अत्यावश्यक है व इस रास्ता के अलावा प्रार्थी की भूमि के लिये कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता नहीं है। प्रार्थीया ने उक्त कथन करते हुये चक 10 जेडीडब्ल्यू के खाता संख्या 44/48 के पत्थर नम्बर 67/24 (27) के किला नम्बर 1 में उतरी सिरे पर पूर्व से पश्चिम 1 गट्ठा रास्ता अर्थात् 1 बिस्वा अर्थात् 0.013 हैक्टेयर रास्ता स्वीकृत किये जाने का निवेदन किया है।

प्रार्थना-पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण को तलब किया गया। अप्रार्थीया संख्या 1 ने नोटिस की तामील होने के बावजूद जबाव प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत नहीं किया तथा उसके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही के आदेश पारित किये गये व एक पक्षीय बहस भी सुनी गई। इसी दौरान अप्रार्थीया संख्या 1 के अधिवक्ता की ओर से प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 7 सी.पी.सी. प्रस्तुत किया गया जिसे प्रार्थी के अधिवक्ता ने द्वारा इस शर्त पर स्वीकार किये जाने का निवेदन किया कि अप्रार्थीया संख्या 1 आगामी पेशी पर आवश्यक रूप से जबाव प्रस्तुत करे। अप्रार्थीया संख्या 1 का यह प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर उसे जबाव प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया गया। दिनांक 25.02.2019 को भी अप्रार्थीया संख्या 1 द्वारा जबाव प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने पर जबावदेही अप्रार्थीया संख्या 1 बन्द की गई। तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़ से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार किला नम्बर 1 के उतरी सिरे पर रास्ता चालू है तथा यह रास्ता स्वीकार किये जाने की अभिशसां की है।

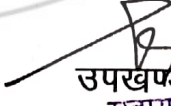
प्रार्थीया के विद्वान अधिवक्ता की एक पक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थीया ने चक 10 जे.डी.डब्ल्यू के खाता संख्या 44/48 की जमाबन्दी प्रस्तुत की है जिससे उसके नाम से 0.253 हैक्टेयर भूमि दर्ज है व इसके अतिरिक्त खाता संख्या 93/74 की जाबन्दी प्रस्तुत की है जिसमें प्रार्थीया के नाम 1.265 हैक्टेयर भूमि है। प्रार्थीया द्वारा उक्त दोनों खातों की भूमि का नजरी नक्शा प्रस्तुत किया है। इस नक्शा के अनुसार खाता संख्या 93/74 की भूमि के लिये कोई स्वीकृत चिपता हुआ रास्ता नहीं है। इसी कारण अप्रार्थीया संख्या 1 व पूर्व खातेदार लखविन्द्र सिंह के मध्य रास्ता की सुविधा प्रदत्त किये जाने हेतु तबादलानामा का दस्तोवज दिनांक 02.06.2015 को निष्पादित


सहायक कलेक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

हुआ है। लखविन्द्र सिंह ने खाता संख्या 44/48 में अपनी 0.253 हैक्टेयर भूमि श्योपतराम को दिनांक 08.07.2015 को विक्रय की है व तत्पश्चात् श्योपतराम से प्रार्थीया ने खाता संख्या 44/48 की 0.253 हैक्टेयर भूमि व खाता संख्या 93/74 की 1.265 हैक्टेयर भूमि जरिये रजिस्टर्ड बैयनामा दिनांक 30.05.2016 क्रय की है। इस प्रकार प्रार्थीया की कुल 1.518 हैक्टेयर भूमि के लिये रास्ता की सुविधा नहीं है। प्रार्थीया की भूमि से स्वीकृत रास्ता एक बीघा दूर है। प्रार्थीया ने नम्बर 1 में उतरी सिरे पर रास्ता विद्यमान होने के तथ्य के सम्बन्ध में फोटोग्राफ भी प्रस्तुत किया है तथा रिपोर्ट तहसील के मुताबिक भी यह रास्ता मौका पर चालू है। उक्त समस्त दस्तावेजी साक्ष्य से प्रार्थीया का रास्ता स्वीकृति का यह प्रार्थना-पत्र स्वीकार होने योग्य है।

अतः उपरोक्त विवेचन के अनुसार प्रार्थना-पत्र प्रार्थीया स्वीकार किया जाकर चक 10 जे.डी.डब्ल्यू, तहसील हनुमानगढ़ के संयुक्त खाता संख्या 44/48 के पत्थर नम्बर 67/241 (27) के किला नम्बर 1 में उतरी सिरे पर पूर्व से पश्चिम एक गट्टा अर्थात् 0.013 हैक्टेयर रास्ता स्वीकृत किये जाने के आदेश दिये जाते हैं तथा इस स्वीकृत किये जाने वाले रास्ता की एवज में इस खाता में प्रार्थीया के नाम दर्ज 0.253 हैक्टेयर भूमि में से 0.013 हैक्टेयर कमकर 0.240 हैक्टेयर भूमि दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़ को उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमलदरामद करेन हेतु आदेश जारी हो।

आदेश आज दिनांक 25.03.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


 उपखण्डाधिकारी (राजस्व)
 सहायक कलेक्टर
 हनुमानगढ़
 हनुमानगढ़